2 फरीदाबाद
6 अभिमत
परिवर्तन के वाहकों को पीएम मोदी की श्रद्धांजलि
9 देश-विदेश
प्रधानमंत्री को कर्नाटक के भविष्य के बारे में बात करनी चाहिए: राहुल
11 फीचर
RNI NO. HARHIN/2018/75109
फरीदाबाद, मंगलवार, 02 मई, 2023
फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित
पायनियर
ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

दिल्ली को गुजरात के खिलाफ मध्यक्रम की गुत्थी सुलझानी होगी

पेज - 12

राष्ट्रीय सम्मेलन में महापुरुषों के जीवन चरित्र को अपनाने पर चर्चा की

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में आयोजित किया गया सम्मेलन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सम्मेलन में पुस्तिका का विमोचन करते शिक्षाविद्।

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राजनीतिक विचारकों के योगदान पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के मार्गदर्शन व नेतृत्व में किया गया। इस सम्मेलन को महानिदेशक उच्च शिक्षा, हरियाणा द्वारा अनुमोदित किया गया था। कार्यक्रम का प्रारंभ दीपशिखा प्रज्वलन एवं पौधा देकर अतिथियों के सत्कार के साथ हुआ।

प्राचार्य ने कहा कि सम्मेलन एक मंच प्रदान करेगा। शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों के बीच बातचीत को सक्षम करेगा। सम्मेलन का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम में हमारे महान राजनीतिक विचारकों, कार्यकर्ताओं और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर चर्चा और प्रशंसा करना है।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, फरीदाबाद के निदेशक व सेवानिवृत्त प्राचार्य डीएवी शताब्दी महाविद्यालय से डॉ. सतीश आहूजा रहे। जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राजनीतिक विचारकों के योगदान का अध्ययन करने से हमें अपने देश के इतिहास को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने मां सरस्वती के सात रूप- पानी, वाणी, समय, शब्द, संगीत, ज्ञान व वाकपटुता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने रविंद्रनाथ टैगोर, लोकमान्य तिलक, गंगाधर राव, दयानंद सरस्वती, महात्मा हंसराज इत्यादि विचारको और चिंतकों के विचारों से मां सरस्वती के सात रूपों को अपनाने व जीवन में उतारने पर चर्चा की।

बीज वक्ता डॉ. चारू माथुर, एसोसिएट प्रोफेसर, आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के राजनीतिक विचारकों द्वारा प्रतिपादित विचार और सिद्धांत आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने चाणक्य नीति, मनुस्मृति, मार्क्सवाद, गैलेलियो, राजा राममोहन राय के पुनर्जागरण, दयानंद सरस्वती के आर्य समाज और वेदों की ओर लौटो, विवेकानंद का आध्यात्मिक विचार, महात्मा ज्योतिबा फूले और सावित्रीबाई फूले की स्त्री शिक्षा और जाति प्रथा, पंडिता रमाबाई, दादाभाई नौरोजी, लाल-बाल-पाल, अरविंद घोष, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, डॉ. भीमराव अंबेडकर, इकबाल, नेहरू, जयप्रकाश नारायण, जय प्रकाश लोहिया इत्यादि राजनीतिक विचारकों के ऋणी हैं। इन्हीं के पथ पर चलकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं।